कृषि विज्ञान केंद्र

(राष्ट्रीय वागवानी अनुसंधान और विकास फाउंडेशन नई दिल्ली)
नेफेड कॉम्प्लेक्स, गांव और पोस्ट: उजवा, नई दिल्ली - 110 073
फोन नंबर: 9667971155, ई-मेल: kvkujwa@yahoo.com
वेबसाइट: www.kvkdelhi.org

मौसम पूर्वानुमान (06 से 10 अक्टूबर 2021)

क्रमांक: KVK/DEL/GKMS/1021/B **बुलेटिन संख्या:** 02 **दिनांक:** 05-10-2021

कृषि विज्ञान केंद्र में स्थित मध्यम कालिक मौसम पूर्वानुमान केंद्र को भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली, भारत सरकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार दक्षिणी-पश्चिमी दिल्ली जिला एव आस-पास के क्षेत्रो में निम्नानुसार मौसम रहने की सम्भावना है:-

दिनांक ⟶ / कारक ↓		06-10 (मंगलवार)	07-10 (बुधवार)	08-10 (गुरुवार)	09-10 (शुक्रवार)	10-10 (शनिवार)
तापमान (°सेल्सियस)	अधिकतम	35.9	36.1	36.3	37.7	37.5
	न्यूनतम	26.6	25.2	25.9	25.7	26.1
आर्द्रता (%)	अधिकतम	48	34	38	45	37
	न्यूनतम	29	25	21	20	20
हवा की गति (कि.मी./घंटा)		3.0	9.0	7.0	10.0	8.0
पवन की दिशा		उत्तर	उत्तर-पश्चिम	दक्षिण-दक्षिण पश्चिम	दक्षिण-दक्षिण पूर्वी	उत्तर-पश्चिम
बादलों की स्थिति		सामान्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
वर्षा (मि.मी.)		0.0	0.0	0.0	0.0	0.0

मौसम चेतावनी / लघु संदेश

- आने वाले 5 दिन क्षेत्र में मौसम साफ रहने की सम्भावना है, इसलिए किसान भाई खरीफ फसलों की कटाई करें।
- रबी फसलों का चुनाव मृदा परिक्षण के आधार पर करें इसकी जानकारी के लिए के. वि. के. दिल्ली में संपर्क करें।
- खेत की जुताई करने के तुरंत बाद पाटा अवश्य लगाएं ताकि मिट्टी से नमी का ह्रास न हो।

सामान्य सलाह

कोविड़-19 के गंभीर फैलाव को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि कृषि कार्यों के दौरान भारत सरकार द्वारा समय-समय पर दिये गये दिशा निर्देशों जैसे- व्यक्तिगत स्वच्छता, मास्क का उपयोग, समय-समय पर साबुन से हाथ धोना तथा एक दूसरे से सामाजिक दूरी बनाये रखे आदि।

(क) फसल विशिष्ट सलाह

फसल	विवरण
धान	❖ वर्तमान मौसम में यदि धानकी पत्तियां ऊपर से सूख रही है और पत्ती के दोनों किनारे सूखने जैसे लक्षण प्रदर्शित करते हुये पूरी पत्ती बाद में सफेद हो जाये तो यह झुलसा रोग के लक्षण होते है। ❖ इसके नियंत्रण हेतु खेत का पानी निकाल दें और ट्राईसाइक्लोजोन अथवा हेक्साकोनाजोल @1-1.50 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
	❖ धान की कटाई सुपर एस.एम.एस. लगे कंबाइन से करवाएं ताकि पराली का प्रबंधन नवीनतम मशीनों के द्वारा आसानी से किया जा सके।
	❖ धान की कटाई के बाद पराली पर पूसा डी-कंपोजर का छिड़काव अवश्य करें ताकि अवशेष खेत में जल्दी विघटित हो जाए जिससे मृदा में कार्बनिक पदार्थों की वृद्धि हो सके।
सरसों	❖ यह सरसों की बुवाई के लिए उपयुक्त समय है इसलिए खेत की तैयारी करे व मृदा परिक्षण के उपरांत उपलब्धता के अनुसार खेतो में गोबर की खाद @ 9-10 टन प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करे।
	❖ सरसों की बुवाई के लिए आर. एच.- 749, गिरिराज, पूसा विजय, पूसा अगर्णी, पूसा महक आदि किस्मो के प्रमाणित बीजो की व्यवस्था के लिए के. वि. के. दिल्ली व आई. ए. आर. आई. नई दिल्ली में संपर्क करें।

(ख) बागवानी विशिष्ट सलाह

बागवानी	विवरण
गाजर	❖ इस मौसम में किसान गाजर की पूसा रूधिरा किस्म की 10.0 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर बीज दर से मेड़ो पर बुवाई कर सकते है। ❖ बुवाई से पूर्व बीज को केप्टान व थायरम @ 2 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से उपचार करें तथा खेत में देसी खाद, पोटाश और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें।
बेलवाली सब्जियाँ	❖ बेलवाली सब्जियों को मचान पर चढ़ाने की व्यवस्था करें।
जड़ वाली एवं पत्तेदार सब्जियाँ	❖ जड़ वाली एवं पत्तेदार सब्जियो की बुवाई 10-12 से.मी. ऊँची-उठी हुई मेंड़ो पर करें।
सरसों साग, मूली, पालक, चौलाई व धनिया	❖ इस मौसम में किसान सरसों साग (पूसा साग-1), मूली (पूसा चेतकी, समर लोंग), पालक (आलग्रीन), चौलाई (पूसा लाल चौलाई, पूसा किरण) तथा धनिया (पंत हरितमा) के प्रमाणित या उन्नत बीजो की बुवाई भी ऊथली क्यारियों या मेंड़ों पर कर सकते हैं।
टमाटर, मिर्च, बैंगन व फूलगोभी	❖ जिन किसानों के पास टमाटर, हरी मिर्च, बैंगन व फूलगोभी की तैयार पौध को ऊथली क्यारियों या मेंड़ों पर रोपाई करें है। ❖ रोपाई से पूर्व पौध एवं भूमि का उपचार अवश्य करें। ❖ रोपाई हमेशा शाम के समय करें। ❖ इस मौसम में सब्जियों (मिर्च, बैंगन) में यदि फल छेदक, शीर्ष छेदक एवं फूलगोभी व पत्तागोभी में डायमंड़ बेक मोथ की निगरानी के लिए फीरोमोन प्रपंच 12-15 प्रति हेक्टेयर की दर से लगाए तथा प्रकोप अधिक हो तो स्पेनोसेड़ दवाई @ 1.0 मि.ली. प्रति 4 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
गेंदा	❖ यह गेंदा की रोपाई का उपयुक्त समय है, रोपाई 10-15 से.मी. ऊँची मेंड़ों पर कर सकते हैं।

बागवानी	विवरण
मशरूम	❖ आगामी मशरूम फसल के लिए स्पॉन बुकिंग के लिए के. वि. के. नई दिल्ली व आई. ए. आर. आई. नई दिल्ली में संपर्क करें।
	❖ इस मौसम में फसलों व सब्जियों में दीमक का प्रकोप होने की संभावना रहती है अतः किसान फसलों की निगरानी करें यदि प्रकोप दिखाई दे तो क्लोरपाइरीफॉस 20 ई सी @ 4.0 मि.ली/लीटर सिंचाई जल के साथ देवें।

(ग) पशुपालन विशिष्ट सलाह

विवरण
❖ पशुओं को बाह्य परजीवीयों से बचाएँ। खासकर मेमनों में फड़किया का टीकाकरण नजदीकी पशु चिकित्सक से सम्पर्क करके जरूर करवाएं।
❖ इस मौसम में पशुओ में खुरपका-मुँहपका रोग का प्रकोप बढ़ रहा है, इसलिए उचित स्वच्छता की व्यवस्था के साथ साथ टीकाकरण करवाए व तुरंत पशु चिकित्सालय में संपर्क करे।
❖ इस समय पशुओ ब्रुसेल्ला रोग आने की अधिक सम्भावना है पशुओ में इस बीमारी से तेज बुखार का आना, सुस्ती, अंतिम 3 माह में गर्भपात होना और नर पशुओ के जोड़ो व अंडकोश में सूजन आदि प्रमुख लक्षण है ❖ इसके बचाव हेतु पशुपालन विभाग द्वारा 4 से 8 माह की आयु वाले मादा पशुओ में ब्रुसेल्ला स्ट्रेन-19 का टीकाकरण किया जा रहा है यदि टीकाकरण के बाद बुखार आये तो घबराये नही व नजदीकी पशु चिकित्सालय में संपर्क करे।
❖ किसान भाईयों को प्रत्येक टीकाकरण के एक महीने बाद बूस्टर खुराक की सलाह दी जाती है

डॉ. पी. के. गुप्ता
प्रमुख, के.वि.के., दिल्ली